an>

Title : Need to provide fund allocation for implementation of water conservation scheme in Rajasthan.

श्री हरिओम सिंह राठौड़ (राजसमन्द) : माननीय अध्यक्ष जी, प्रकृति द्वारा उपलब्ध जल को लेकर कई राज्यों में बंटवारे को लेकर यह विवाद का विÂषय बना हुआ है।...(व्यवधान) ऐसी परिस्थिति में राजस्थान की माननीय मुख्य मंत्री महोदया ने अन्य राज्यों के सामने हाथ फैलाकर, पानी मांगने के स्थान पर, अपने राज्यों में उपलब्ध जल के सही नियोजन को उपयोग करने हेतु एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुख्य मंत्री जल स्वावलम्बन योजना बनाकर राजस्थान राज्य को जल के संदर्भ में एक आत्मनिर्भर राज्य बनाने का संकल्प लिया है।...(व्यवधान) इस संकल्प की हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी भूरि-भूरि प्रशंसा की है। ...(व्यवधान) इस योजना के प्रथम फेज में तीन हजार गांवों का चयन किया गया है।...(व्यवधान) एवं वहां पर योजनाबद्ध तरीके से पानी का सही नियोजन करके, जहां राजस्थान में पूर्व में सिर्फ 25 ब्लॉक सेफ जोन में थे, बाकी पूरा राज्य डार्क जोन में आता था, अब मुख्य मंत्री जी की इस जल स्वावलम्बी योजना के क्रियान्वयन के कारण जो 50 ब्लॉक हैं, वे सेफ जोन में आ गये हैं।...(व्यवधान) बढ़े हुए पानी का लाभ करीब 41 लाख लोगों को व 45 लाख पशु धन को मिला है। ...(व्यवधान)

इस योजना का द्वितीय चरण, जो 9 दिसम्बर को प्रारम्भ हो रहा है, आगामी तीन वर्षों में 6-6 हजार गांवों का चयन कर, वॉटर एंड सॉयल कंजर्वेशन का लक्ष्य रखा गया है।...(व्यवधान) चार वर्षों में राज्य के 21000 गांवों तक इस योजना को पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। राज्य की सीमित आर्थिक उपलब्धता के होते हुए भी, माननीय मुख्य मंत्री महोदया ने जनता से आह्वान करके, धन एकत्रित कर, जल के संबंध में राज्य को स्वावलम्बी बनाने का प्रथम चरण सफलता पूर्वक पूर्ण किया है।...(व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि ऐसी महत्वपूर्ण योजना को सफलता पूर्वक पूर्ण करने के लिए विशेÂष आर्थिक सहयोग प्रदान करने का निर्णय करें। धन्यवाद। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री देवजी एम.पटेल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी और

श्री सुभाÂष पटेल को श्री हरिओम सिंह राठौड़ द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।